अर्थ-व्यवस्था में तम्बाकू-उत्पादकों का योगदान

120. **श्री राम नरेश यादव** : क्या कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तम्बाकू-उत्पादकों का अर्थ-व्यवस्था में क्या योगदान है;

(ख) इसके उत्पादन और निर्यात में वृद्धि करने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या विभिन्न योजनाएं बनाई गई हैं; और

(ग) क्या सरकार तम्बाकू की खेती पर प्रतिबन्ध लगाने पर विचार कर रही है; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) तम्बाकू उत्पादक विभिन्न प्रकार से नामतः सकल राष्ट्रीय उत्पाद, रोजगार सृजन, उत्पाद शुल्क, राजस्व तथा विदेशी मुद्रा अर्जन के माध्यम से देश की अर्थ-व्यवस्था में योगदान दे रहे हैं।

(ख) तम्बाकू का रकबा बढ़ाने के लिए अभी कोई योजना नहीं बनाई गई है। तथापि, वाणिज्य मंत्रालय का तम्बाकू बोर्ड देश में वर्जिनिया तम्बाकू की उत्पादकता बढ़ाने के लिए योजनाएं कार्यान्वित कर रहा है।

तम्बाकू के निर्यात में वृद्धि हेतु तम्बाकू बोर्ड विभिन्न उपाय कर रहा है—जैसे—अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों तथा प्रदर्शनियों में भाग लेना, क्षमता वाले नए बाजारों सहित विभिन्न देशों में व्यापार शिष्ट मंडलों के नियमित दौरे, अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी निर्धारण प्रणाली को सरल बनाना, प्रचार आदि।

(ग) जी, नहीं।

भारत में कृषि उत्पादन

121. **श्री राम नरेश यादव** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत में प्रति हैक्टर—कृषि उत्पादन विश्व उत्पादन की तुलना में कम है; और

(ख) यदि हां, तो कृषि-उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) जी, हां।

(ख) देश में कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत सरकार अनेक केन्द्रीय क्षेत्रक/केन्द्र प्रवर्तित योजनाएं कार्यान्वित कर रही है। कार्यान्वित की जा रही योजनाएं इस प्रकार हैं—(1) एकीकृत बंजर विकास कार्यक्रम (2) विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम—गेहूं (3) विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम—मक्का तथा कदन्न (4) सघन कपास विकास कार्यक्रम तथा (5) विशेष पटसन विकास कार्यक्रम। क्रम सं० (2), (3) तथा (5) में उल्लिखित योजनाएं भारत सरकार द्वारा शत्प्रतिशत वित्तपोषित हैं। अन्य योजनाएं साझा आधार पर कार्यान्वित की जाती हैं। इन योजनाओं में प्रमाणीकृत बीजों, खरपतवार नाशियों तथा पौध रक्षण रसायनों के उपयोग के लिए कृषकों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, उन्नत प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए भी प्रोत्साहन दिया जाता है। सहकारी तथा वाणिज्यिक बैंकों के माध्यम से नियत समय पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। प्रदर्शन, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया जाता है।

Research in Wheat Crop

122. DR. NAUNIHAL SINGH: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the reaearch efforts in wheat crop are holding out the promise of sustaining the green revolution so as to make possible production in the vicinity of 75 million tonnes by die and of this decade; if so, the details thereof;